

वित्तीय डोमेन में 'बिगटेक': प्रतिस्पर्धा और स्थिरता को संतुलित करना*

विजय सिंह शेखावत[^], अवधेश कुमार शुक्ला[^], एसीवी सुब्रह्मण्यम[^] और अभिषेक सिंह द्वारा लिखित[^]

बिगटेक विशिष्ट रूप से अपने तकनीकी लाभ, बड़े उपयोगकर्ता आधार, वित्तीय संस्थानों द्वारा व्यापक उपयोग और नेटवर्क-प्रभावों के साथ वित्तीय सेवाओं के परिदृश्य को बदलने के लिए तैयार हैं। यह लेख इस डोमेन में वैश्विक विनियामकीय प्रथाओं का एक सर्वेक्षण प्रस्तुत करता है जिसमें इकाई और गतिविधि-आधारित नियमों, दोनों को संरेखित करते हुए एक ढांचे के विकास को इंगित किया गया है। हालांकि, वित्तीय संस्थानों और तकनीकी कंपनियों के बीच बढ़ते जटिल अंतर्संबंधों के साथ, विनियामकीय ढांचे को नए जोखिम प्रसार चैनलों से उत्पन्न होने वाली सुभेद्यताओं को रोकने के लिए नवाचारों के साथ गति बनाए रखने की आवश्यकता है।

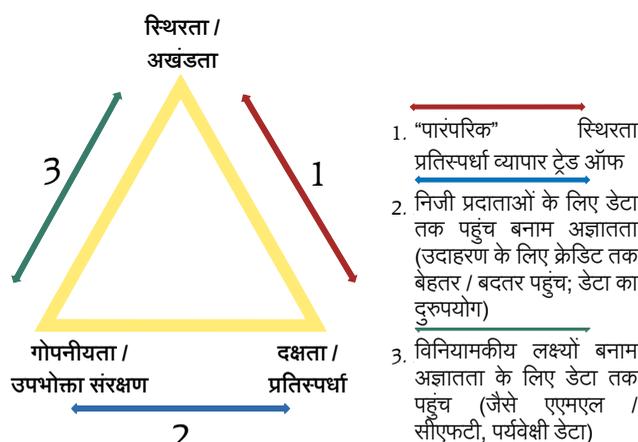
भूमिका

पिछले दो दशकों में वित्तीय और गैर-वित्तीय दोनों क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी-केंद्रित कंपनियों का तेजी से उदय हुआ है। वित्तीय क्षेत्र में, फिनटेक ने अपने नवाचारों के साथ वित्तीय मध्यस्थता के पारंपरिक चैनलों को बाधित किया है, प्रतिस्पर्धा में वृद्धि की है, और वित्तीय सेवाओं को वितरित करने के लिए दायरे और पैमाने को बदल दिया है। वे अक्सर बैंकों / बीमा कंपनियों जैसे मौजूदा भागीदारों के साथ सहयोग करते हैं, जिससे अधिक वित्तीय समावेशन, बेहतर प्रक्रिया दक्षता, कम लेनदेन और परिचालन लागत होती है। गैर-वित्तीय क्षेत्र में, अलीबाबा, अमेज़ॉन, फेसबुक, गूगल और टेनसेंट जैसी प्रौद्योगिकी कंपनियां, जिन्हें आमतौर पर 'बिगटेक' के रूप में जाना जाता है, पिछले दो दशकों में तेजी से बढ़ी हैं। उनके द्वारा तैयार डेटा नेटवर्क की मजबूत प्रकृति के फायदों के आधार पर, कई बिगटेक ने वित्तीय सेवाओं की पेशकश

करते हुए फिनटेक जगत में कदम रखा है, जिसमें भुगतान, धन प्रबंधन, बीमा और उधार शामिल हैं।

विश्व के विनियामक फिनटेक के लाभों को पहचानते हैं और एक सहायक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने का प्रयास करते हैं। इसके अलावा, वे वित्त में बिगटेक के प्रवेश से नए जोखिम तत्वों से भी अवगत हैं। बेहतर सेवा पहुंच और वित्तीय समावेशन के लाभों के बावजूद, विनियामक विशेष रूप से प्रतिस्पर्धा और बाजार स्पर्धात्मकता, उपभोक्ताओं के डेटा गोपनीयता अधिकारों और वित्तीय मध्यस्थता / स्थिरता (एफएसआई 2021 ए) पर बिगटेक के प्रभाव के बारे में सावधान हैं। वे दक्षता को बढ़ावा देने, डेटा गोपनीयता की रक्षा करने और वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के बीच संतुलन बनाने की चुनौती का सामना करते हैं जैसा कि नीचे दिखाया गया है (चित्र 1)। उक्त के परिणाम स्वरूप, विनियामक, फिनटेक जगत में एक समान अवसर की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए अपने विनियामकीय ढांचे को बिगटेक (बीआईएस 2021) से जुड़ी संभावित जोखिमों को शामिल करते हुए संरेखित कर रहे हैं²

चित्र 1: तीन उद्देश्यों को संतुलित करना - स्थिरता-दक्षता - गोपनीयता³



स्रोत: फेयेन एवं अन्या पेट्रालिया एवं अन्य (2019) और कार्लेटी एवं अन्य (2020) के अनुसार।

[^] लेखक पर्यवेक्षण विभाग (डीओएस) से हैं।

* टी के राजन, मुमप्र, डीओएस से प्राप्त मार्गदर्शन और प्रोत्साहन को कृतज्ञता पूर्वक स्वीकार किया जाता है। इसमें व्यक्त विचार लेखकों के हैं, न कि भारतीय रिजर्व बैंक के।

¹ "बिगटेक विनियमन: क्या चल रहा है?", सितंबर 2021, एफएसआई इनसाइट्स नंबर 36।

² "वित्त में बिगटेक को विनियमित करना", एफएसआई ब्रीफ्स, बीआईएस बुलेटिन नंबर 45, अगस्त 2021।

³ <https://voxeu.org/article/policy-triangle-big-techs-finance>

इस संदर्भ में, यह अध्ययन वित्तीय डोमेन में बिगटेक के प्रवेश से उत्पन्न लाभों और चुनौतियों तथा उन्हें संतुलित करने हेतु विभिन्न क्षेत्राधिकारों के विनियामकीय और पर्यवेक्षी प्राधिकरणों की प्रतिक्रिया का विश्लेषण करता है;

शेष अध्ययन निम्नानुसार संरचित है - खंड II वित्त में बिगटेक के प्रवेश और उनके द्वारा उत्पन्न संभावित चिंताओं पर चर्चा किया गया है। खंड III बिगटेक के उद्भव से वित्तीय स्थिरता, प्रतिस्पर्धा, परिचालन सुदृढ़ता और डेटा गोपनीयता जैसी चुनौतियों का समाधान करने के लिए विकसित विनियामकीय परिदृश्य पर चर्चा किया गया है और खंड IV में निष्कर्ष प्रस्तुत किया गया है।

II. वित्तीय डोमेन में बिगटेक का प्रवेश - जोखिम और चिंताएं

वित्त जगत में बिगटेक की गतिविधियां व्यापक फिनटेक नवाचार का एक विशेष विषय है। एक ओर जहां फिनटेक कंपनियों को मुख्य रूप से वित्तीय सेवाओं में संचालित करने के लिए स्थापित किया जाता है, वहीं दूसरी ओर बिगटेक फर्म गतिविधियों के एक व्यापक समुच्चय के हिस्से के रूप में वित्तीय सेवाएं प्रदान करती हैं। बिगटेक के मुख्य व्यवसाय सूचना प्रौद्योगिकी और परामर्श (जैसे, क्लाउड कंप्यूटिंग और डेटा एनालिटिक्स) से संबंधित हैं, जो उनके राजस्व का लगभग 46 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि इसकी तुलना में वित्तीय सेवाओं का हिस्सा उनके राजस्व

(एफएसआई 2019) का लगभग 11 प्रतिशत है। सारणी 1 (ए और बी) में प्रमुख क्षेत्राधिकारों में विभिन्न वित्तीय सेवाएं प्रदान करने के लिए चुनिंदा बिगटेक की प्रविष्टि को दर्शाया गया है।

बिगटेक द्वारा प्रदान की जाने वाली तीन प्रमुख वित्तीय सेवाएं भुगतान, क्रेडिट प्रावधानीकरण और बैंकिंग हैं। बिगटेक के लिए, नियमों के अनुसार उन्हें वित्तीय सेवाओं की पेशकश करने से पहले लाइसेंस प्राप्त करने की आवश्यकता होती है। सारणी 1 बी में दर्शाये अनुसार, बिगटेक को इन सेवाओं के लिए सहायक कंपनियों या स्वामित्व नियंत्रण के विभिन्न स्तरों के साथ संयुक्त उद्यमों के माध्यम से लाइसेंस रखना होता है (रेस्टोय 2021)।

बिगटेक की व्यापकता उन्हें एक बड़ा ग्राहक आधार प्रदान करती है जो ग्राहकों के डेटा के कई पहलुओं तक पहुंच के साथ अपने प्लेटफॉर्मों / उत्पादों का उपयोग करने में लगे हुए हैं, जिससे मजबूत नेटवर्क प्रभाव उत्पन्न होते हैं। वित्त में बिगटेक का प्रवेश वित्तीय सेवाओं और उनकी मुख्य गैर-वित्तीय सेवाओं के बीच सशक्त पूरकता को भी दर्शाता है। सर्च इंजन, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म जैसी अपनी गैर-वित्तीय सेवाओं का उपयोग करके अपने ग्राहकों के आधार को देखते हुए, नवीन फिनटेक की तुलना में बिगटेक के लिए उत्पाद निर्माण और वित्तीय डोमेन में अपने पदचिह्न स्थापित करना अधिक आसानी से संभव है। यह फिनटेक जगत में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक समान अवसर प्रदान करने के मामले

सारणी 1 ए: बिगटेक कंपनियों द्वारा वित्तीय सेवा पेशकश

	मुख्य व्यवसाय	बैंकिंग #	ऋण प्रावधान	भुगतान	क्लाउड फंडिंग	आस्ति प्रबंधन	बीमा
गूगल	इंटरनेट खोज/विज्ञापन			हाँ			
ऐप्पल	तकनीकी/उत्पादन हार्डवेयर			हाँ			
फेसबुक	सोशल मीडिया/विज्ञापन			हाँ			
अमेज़न	ई-कॉमर्स/ऑनलाइन रिटेल		हाँ	हाँ	हाँ		हाँ
अलीबाबा (एंट ग्रुप)	ई-कॉमर्स/ऑनलाइन रिटेल	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
बायडू	इंटरनेट खोज/विज्ञापन	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
जेडी.कॉम	ई-कॉमर्स/ऑनलाइन रिटेल	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
टेनसेंट	टेक/गेमिंग और मैसेजिंग	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
एनटीटी डोकोमो	मोबाइल संचार	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ		
राकुटेन	ई-कॉमर्स/ऑनलाइन रिटेल	हाँ		हाँ		हाँ	हाँ
मर्केडो लिबर	ई-कॉमर्स/ऑनलाइन रिटेल		हाँ	हाँ		हाँ	

टिप्पणियाँ: 1. # बैंकिंग में लगी एक संस्था की मुख्य गतिविधि जमा लेना है, हालांकि नियम अलग-अलग देशों में अलग-अलग हैं।

2. "वाई" कम से कम एक अधिकार क्षेत्र में बिगटेक इकाई के माध्यम से और/या बिगटेक समूह के

बाहर वित्तीय संस्थानों के साथ साझेदारी में वित्तीय सेवा का प्रावधान।

स्रोत: "वित्त में बिगटेक: विनियामकीय दृष्टिकोण और नीति विकल्प", एफएसआई, मार्च 2021 और समाचार पोर्टल।

सारणी 1 बी: चयनित क्षेत्राधिकारों में बिगटेक कंपनियों द्वारा धारित लाइसेंस

धारित लाइसेंस	ब्राजील			चीन			यूरोपीय संघ			हांगकांग			यूके			यूएस		
	बी	पी	सी	बी	पी	सी	बी	पी	सी	बी	पी	सी	बी	पी	सी	बी	पी	सी
अमेज़न									✓						✓			✓
ऐप्पल																		✓
फेसबुक									✓						✓			✓
गूगल									✓						✓			✓
एंट ग्रुप			✓	✓	✓	✓			✓	✓		✓		✓				✓
बायडू *				✓*	✓	✓												
जेडी.कॉम *					✓	✓				✓*								
टेनसेंट *				✓*	✓	✓				✓		✓						
मर्केडो लिबर			✓															
एनटीटी डोकोमो							✓		✓							✓		
राकुटेन							✓		✓								✓	✓

अन्य वित्तीय संस्थानों के साथ साझेदारी या संयुक्त उद्यम में बाजार की उपस्थिति।

✓ बिगटेक के पास एक समूह के भीतर एक इकाई है, जो एक वित्तीय लाइसेंस रखती है।

बिगटेक अन्य वित्तीय संस्थानों के साथ साझेदारी या संयुक्त उद्यम दोनों के माध्यम से वित्तीय सेवाएं प्रदान करता है और समूह के भीतर वित्तीय लाइसेंस धारक एक इकाई रखती है।

✓* इन बैंकों में बिगटेक की शेयरधारिता 50% से कम है।

टिप्पणी: बी- बैंकिंग लाइसेंस, पी - भुगतान लाइसेंस, सी- क्रेडिट लाइसेंस।

स्रोत: "वित्त में बिगटेक: नियामकीय दृष्टिकोण और नीति विकल्प" - एफएसआई, मार्च 2021।

में एक गंभीर बाधा है। तकनीकी लाभों के अलावा, बिगटेक में आमतौर पर प्रतिस्पर्धी दबावों का सामना करने के लिए वित्तीय शक्ति भी होती है।⁴ इस पृष्ठभूमि में, बिगटेक द्वारा उत्पन्न प्रमुख जोखिमों को मोटे तौर पर तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है।

1. सर्वप्रथम, बिगटेक की जटिल अभिशासन संरचना, प्रभावी निरीक्षण के लिए दायरे और इकाई-आधारित विनियमन डिजाइन को सीमित करती है।
2. दूसरा, बिगटेक वित्तीय सेवाओं के प्रावधान के लिए अपने प्रत्यक्ष जोखिम के माध्यम से जोखिम और परिपक्वता परिवर्तन कार्यों को प्रभावित कर सकते हैं। कभी-कभी यह छाया बैंकिंग गतिविधियों में भी परिणत अथवा लिप्त हो सकता है, जिससे वित्तीय स्थिरता कमजोर हो सकती है।

3. तीसरा, बिगटेक, तीसरे पक्ष के सेवा प्रदाताओं के रूप में उनके व्यापक रूप से अपनाए जाने को देखते हुए, आम तौर पर अंतर्निहित मंच बन जाते हैं जिस पर कई सेवाओं की पेशकश की जाती है। यह विशिष्ट रूप से बिगटेक को आसानी से अंतर-प्रयोजनमूलक डेटाबेस प्राप्त करने की स्थिति में रखता है, जिसका उपयोग कर वे नवीन उत्पादों की पेशकश कर सकते हैं, जिसके कारण वे बाजार में प्रमुख खिलाड़ी बन सकते हैं (मोएनजाक और संतिप्रभोब, 2021)⁵

III. वित्त में बिगटेक से जोखिमों से बचने के लिए विनियामकीय ढांचे

दुनिया भर के विनियामकों ने वित्तीय क्षेत्र में बिगटेक और उनके व्यापार मॉडल की जांच बढ़ा दी है और बिगटेक द्वारा उत्पन्न जोखिमों से निपटने के लिए नीतिगत ढांचे को समायोजित करना आरंभ कर दिया है। वैश्विक विनियामकीय पहलों को मोटे तौर पर निम्नलिखित पांच प्रमुख आयामों (एफएसआई 2021 ए)⁶ के आधार पर अंशांकित किया जा सकता है, अर्थात्,

⁴ उदाहरण के लिए, जैसे-जैसे अधिक फिनटेक / बिगटेक वित्तीय डोमेन में आते हैं, व्यवसाय की लागत बढ़ जाती है, क्योंकि प्रतियोगियों को अपने ग्राहकों को प्राप्त करने और बनाए रखने के लिए अधिक खर्च करना पड़ता है। फिनटेक या नई डिजिटल पेशकशों के साथ अक्सर विभिन्न छूट / इनाम दिये जाते हैं, जिससे उच्च नकदी व्यय होती है।

⁵ डिजिटल युग में बिगटेक और गैर-बैंक वित्तीय सेवाओं को विनियमित करना - केंद्रीय बैंकिंग, 12 अप्रैल 2021।

⁶ वित्त में बिगटेक के जोखिम और लाभों पर विस्तृत चर्चा के लिए देखें, उदाहरण के लिए, बीआईएस (2019), कार्टेस (2018), क्रॉक्ससन एवं अन्य (2021) और एफएसबी (2019, 2020)।

- ए) प्रतिस्पर्धा और बाजार स्पर्धात्मकता,
बी) डेटा सुरक्षा और डेटा-साझाकरण,
सी) व्यवसाय का संचालन,
डी) परिचालनगत सुदृढ़ता, और
ई) वित्तीय स्थिरता

III.ए प्रतिस्पर्धा और बाजार स्पर्धात्मकता सुनिश्चित करना - प्रभुत्व को सीमित करना

वित्तीय क्षेत्र में बिगटेक के आगमन के साथ, विश्व स्तर पर विनियामकों के लिए प्राथमिक चिंता प्रतिस्पर्धा और बाजार स्पर्धात्मकता को संरक्षित करना रहा है। बिगटेक को अपने मजबूत ग्राहक आधार के कारण प्रतिभागियों की विशिष्टता की अपेक्षा हो

सकती है, संभावित या मौजूदा विक्रेताओं में भेदभाव कर सकते हैं, अपने स्वयं के उत्पादों को प्राथमिकता दे सकते हैं, अपनी सेवाओं को समीकृत कर सकते हैं, अंतर-उत्पाद सब्सिडी प्राप्त सकते हैं, या प्रतिस्पर्धी लाभ प्राप्त करने के लिए डेटा के भंडार का दुरुपयोग कर सकते हैं (एफएसआई 2021 ए)। अपने डेटा नेटवर्क आधारित व्यापार मॉडल के माध्यम से, बिगटेक में प्रतिस्पर्धा और डेटा गोपनीयता की समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रमुख भागीदार बनने की क्षमता है। इसलिए, विनियामक प्राधिकरण डेटा तक समान पहुंच सुनिश्चित करके समान अवसर और प्रतिस्पर्धा को संरक्षित करने के लिए विनियम निर्धारित कर रहे हैं।

प्रतिस्पर्धा प्राधिकरणों को एहसास हो रहा है कि पारंपरिक घटनोत्तर दृष्टिकोण बिगटेक के मामले में अप्रभावी हो सकता है तथा वे घटना-पूर्व इकाई-आधारित नियमों पर ध्यान केंद्रित कर

सारणी 2: प्रमुख बिगटेक प्रतियोगिता दिशानिर्देश और चयनित अधिकार क्षेत्रों में प्रस्तावित विधान

क्षेत्राधिकार	क्षेत्राधिकार	दायरा	घटना-पूर्व या घटना-पश्चात?		लिखित			
			घ. पूर्व	घ. पश्चात	बीओपी	आईएनटी	टीपीपी	पीआरओ
चीन	प्लेटफॉर्म एंटीमोनोपॉली दिशानिर्देश	सभी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म "आवश्यक सुविधाओं" के लिए अतिरिक्त प्रावधान, साथ ही प्रमुख प्लेटफॉर्मों द्वारा संभावित दुरुपयोग की पहचान करने के प्रावधान	✓	✓		✓	✓	✓
चीन	गैर-बैंक भुगतान सेवा प्रदाताओं पर विनियम*	व्यक्तियों और अन्य संगठनों के लिए भुगतान सेवाएं प्रदान करते हैं।	✓	✓		***	***	***
यूरोपीय संघ	डिजिटल बाजार अधिनियम (डीएमए)*	"द्वारपाल" एक मजबूत, दृढ़, और स्थायी आर्थिक और मध्यस्थता की स्थिति के साथ।	✓	✓**		✓	✓	✓
यूएस	प्रतिस्पर्धा और अविश्वास विधि प्रवर्तन अधिनियम* (सीएलईआरए)	ऐसे "प्रमुख" फर्म जिनके पास कुल बाजार हिस्सेदारी का 50% या "महत्वपूर्ण" बाजार शक्ति से > है।	✓	✓	✓			
यूएस	सर्विस स्विचिंग एक्ट* (एक्सेस एक्ट) को सक्षम करके अनुकूलता और प्रतिस्पर्धा बढ़ाना	प्लेटफॉर्म, जो निम्नलिखित के लिए मानदंडों को पूरा करते हैं : (i) मासिक सक्रिय उपयोगकर्ता (व्यक्तिगत या व्यवसाय); (ii) बाजार पूंजीकरण; और (iii) महत्वपूर्ण व्यापारिक भागीदार का दर्जा रखने वालों को।	✓	✓**		✓		
यूएस	प्लेटफॉर्म प्रतिस्पर्धा और अवसर अधिनियम*	एक्सेस अधिनियम के समान दायरा।	✓		✓			
यूएस	अमेरिकन चॉइस एंड इनोवेशन ऑनलाइन एक्ट*	एक्सेस अधिनियम के समान दायरा।	✓	✓**		✓	✓	✓
यूएस	21वीं सदी के अधिनियम में भरोसे का टूटना*	निम्नलिखित का मूल्यांकन करके निर्धारित प्रमुख प्लेटफॉर्म (i) बाजार शक्ति की सीमा और स्थायित्व; (ii) सरकारी भागीदारी (संविदाएं आदि), (iii) विशिष्टता करार; (iv) नेटवर्क प्रभाव; और (v) लंबवत एकीकरण।	✓	✓**	✓		✓	
यूएस	बस्ट अप बिगटेक एक्ट*	प्लेटफॉर्म, जो निम्नलिखित के लिए मानदंडों को पूरा करते हैं (i) वार्षिक सक्रिय उपयोगकर्ता; और (ii) कुल राजस्व।	✓		✓		✓	

स्रोत: बिगटेक विनियमन: क्या चल रहा है? (इनसाइट्स नंबर 36 - सितंबर 2021), वित्तीय स्थिरता संस्थान, बैंक ऑफ इंटरनेशनल सेटलमेंट्स।

टिप्पणियाँ: * प्रस्तावित; ** पूर्व के उपाय (जैसे जर्मनी) बिगटेक के लिए विशिष्ट हैं; *** यदि कोई गैर-बैंक भुगतान संस्थान बाजार हिस्सेदारी के मामले में कुछ शर्तों को पूरा करता है, तो पीपीसी अपने द्वारा किए जाने वाले कार्रवाइयों की पूर्व चेतावनी दे सकता है।

बीओपी = सबूत के बोझ को विनियामक से विलय या अधिग्रहण में शामिल फर्म के लिए स्थानांतरित करना; आईएनटी = तृतीय पक्षों के साथ अंतरसंचालनीयता; पीआरओ = व्यापार उपयोगकर्ताओं को उत्पादों और सेवाओं का प्रचार करने और पेशकश करने तथा प्लेटफॉर्म के बाहर अनुबंधों को समाप्त करने की अनुमति देना; टीपीपी = अपने और तीसरे पक्ष के उत्पादों या सेवाओं का समान व्यवहार।

रहे हैं, और इस प्रकार, बिगटेक को अपने व्यवसाय मॉडल को फिर से संरेखित करने की आवश्यकता है। प्रमुख बिगटेक द्वारा उत्पन्न संभावित प्रणालीगत जोखिमों को देखते हुए, प्रतिस्पर्धा-रोधी प्रथाओं को सीमित करने के लिए सक्रिय कार्रवाई शुरू करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। अमेरिका, यूरोपीय संघ और चीन जैसे प्रमुख क्षेत्राधिकारों में, इस बात के सबूत का बोझ कि विलय फर्म के लिए एक प्रमुख बाजार वाली स्थिति नहीं बनाएगा या उपभोक्ता के हितों का नुकसान होगा, अब विनियामक से स्थानांतरित होकर फर्मों पर चला गया है। इसके अलावा, प्रस्तावित नियमों में बिगटेक और तीसरे पक्षकारों के बीच पारस्परिकता की आवश्यकता होती है, जो उनके और तीसरे पक्षकारों के ऐप्स आदि के साथ समान व्यवहार को सुनिश्चित करता है। इसके अलावा, अधिकांश क्षेत्राधिकारों ने अपने बाजार प्रभुत्व की बारीकी से निगरानी करने के लिए बिगटेक पर घटना-पूर्व पर्यवेक्षी कार्रवाई तेज कर दी है।

सारणी 2 में अमेरिका, यूरोपीय संघ और चीन में अधिनियमित या प्रस्तावित प्रमुख अधिनियमों के प्रावधानों को सारांश में प्रस्तुत किया गया है। चूंकि प्रमुख बिगटेक इन क्षेत्राधिकारों में स्थित हैं, इसलिए इन विनियमों से बिगटेक के व्यापार मॉडल को प्रभावित करने की संभावना है।⁷

III. बी डेटा सुरक्षा और डेटा-साझाकरण को सुरक्षित करना - ग्राहक सुरक्षा सुनिश्चित करना

यूरोपीय संघ का जीडीपीआर (सामान्य डेटा संरक्षण विनियमन) एक व्यापक नियामक ढांचा है, जो सामान्य रूप से डेटा संरक्षण और डेटा साझाकरण पहलुओं को देखता है। कई देशों ने यूरोपीय संघ के जीडीपीआर⁸ के जैसे अपने डेटा संरक्षण व्यवस्था को संरेखित किया है। जीडीपीआर के तहत डेटा संरक्षण के "उद्देश्य विशिष्टता" और "सुरक्षा आवश्यकताओं" से संबंधित पहलू विशेष रूप से बिगटेक के लिए प्रासंगिक हैं। उद्देश्य विशिष्टता में उपयोगकर्ता के डेटा को एकत्र करने और संबंधित उपयोगकर्ता द्वारा सहमति दिए गए उद्देश्य के लिए उपयोग करने की आवश्यकता होती है। यह अन्य प्लेटफॉर्मों से एकत्र किए गए ग्राहक डेटा का विश्लेषण करने के लिए नेटवर्क प्रभावों का उपयोग करने की

⁷ बिगटेक चीन और यूरोपीय संघ में प्रवर्तन कार्रवाइयों का सामना कर रहे हैं। अमेरिका में, बिगटेक अपने बाजार प्रभुत्व (एफएसआई 2021 ए) को चुनौती देने वाले कई विधिक मुकदमों का सामना कर रहे हैं।

⁸ डेटा संरक्षण पर चीन का प्रस्तावित ढांचा यूरोपीय संघ के जीडीपीआर के साथ उच्च स्तर के संरेखण को दर्शाता है।

सारणी 3: प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में डेटा संरक्षण और डेटा-साझाकरण दृष्टिकोण

डेटा सुरक्षा	यूरोपीय संघ	यूएस	चीन
व्यक्तिगत डेटा का संग्रह और उपयोग			
वैधता, निष्पक्षता, पारदर्शिता	हाँ	हाँ	हाँ
उद्देश्य विनिर्देश	हाँ	*	हाँ
सुरक्षा	हाँ	हाँ	हाँ
उपयोगकर्ता के डेटा अधिकार			
सहमति और पहुंच	हाँ	*	हाँ
सुधार और विलोपन	हाँ	*	हाँ
डेटा पोर्टेबिलिटी	हाँ	*	हाँ
डेटा साझा करना			
खुला बैंकिंग दृष्टिकोण	नियम के अनुसार		बाजार द्वारा निर्देशित

टिप्पणियाँ: * अमेरिका में वर्तमान में इन पहलुओं को शामिल करने वाला कोई संघीय कानून नहीं है, लेकिन इन मुद्दों पर बहस जारी है;

स्रोत: बिगटेक विनियमन: क्या चल रहा है? (इनसाइट्स नंबर 36 - सितंबर 2021), वित्तीय स्थिरता संस्थान, बैंक ऑफ इंटरनेशनल सेटलमेंट्स।

बिगटेक की क्षमता को सीमित करता है। इसके अलावा, सुरक्षा आवश्यकता निर्दिष्ट करती है कि बिगटेक को उपयोगकर्ताओं के डेटा की सत्यता, गोपनीयता और उपलब्धता की रक्षा के लिए पर्याप्त संगठनात्मक उपाय करने चाहिए।⁹ प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में डेटा संरक्षण और डेटा साझाकरण पहलुओं के अनुरूप के नियमों की प्रमुख विशेषताएं सारणी 3 में प्रस्तुत की गई हैं।

डेटा सुवाह्यता/डेटा साझाकरण पर विनियम, उपयोगकर्ताओं को अपने स्वयं के उद्देश्य के लिए बिगटेक / फिनटेक से अपने व्यक्तिगत डेटा को वापस प्राप्त करने में सक्षम बनाते हैं या तकनीकी रूप से व्यवहार्य प्रारूप में अपने डेटा को तीसरे पक्ष को स्थानांतरित करने के लिए कहते हैं। यह ग्राहकों को ऐतिहासिक / व्यक्तिगत डेटा के नुकसान के बिना अपने पसंदीदा सेवा प्रदाता को चुनने में सक्षम बनाता है और इसलिए, बिगटेक¹⁰ के प्रभुत्व को सीमित करता है। यूरोपीय संघ में डिजिटल सेवा अधिनियम (डीएसए), चीन में स्टेट एडमिनिस्ट्रेशन फॉर मार्केट रेगुलेशन (एसएएमआर) दिशानिर्देश जैसे विनियमों का उद्देश्य बिगटेक उपयोगकर्ताओं के

⁹ जीडीपीआर, आसान व्यापार प्रक्रिया स्वचालन, विश्वास और विश्वसनीयता में वृद्धि, संग्रहीत डेटा की बेहतर समझ, बेहतर डेटा प्रबंधन, संरक्षित और उन्नत उद्यम / ब्रांड प्रतिष्ठा को सक्षम बनाता है, और एक समान गोपनीयता वातावरण तैयार करने में मदद करता है (जॉन एडवर्ड्स, जनवरी 2021)।

¹⁰ एप्पल, फेसबुक, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और ट्विटर जैसे बिगटेक भी "ओपन-सोर्स, सर्विस-टू-सर्विस डेटा पोर्टेबिलिटी प्लेटफॉर्म" बनाने के लक्ष्य के साथ अपनी डेटा ट्रांसफर परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं।

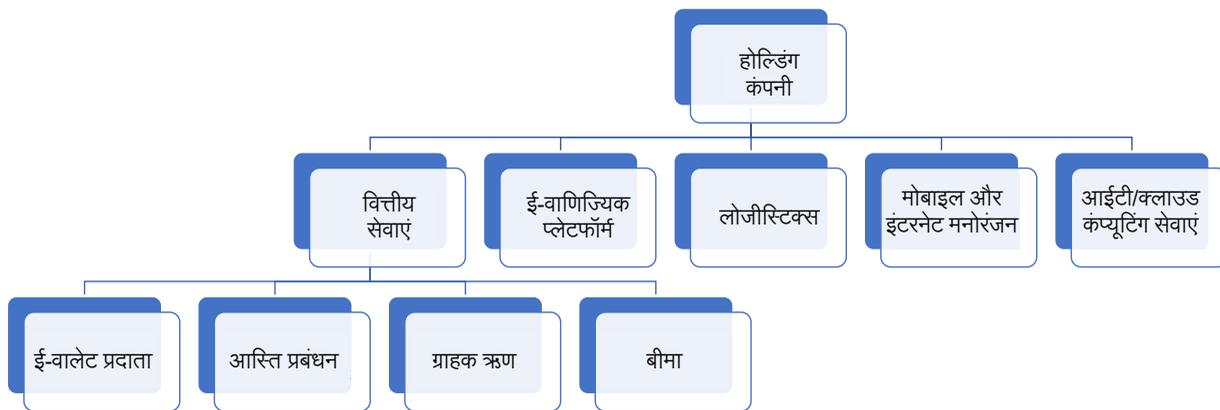
हितों की रक्षा करना है। उक्त विनियमों के लिए अति-आवश्यक विषय इस प्रकार है - (i) अधिक व्यापक खुली बैंकिंग व्यवस्था की दिशा में व्यापार मॉडल के डेटा सुवाह्यता और डेटा साझाकरण पहलू को तैयार करना, और (ii) व्यावसायिक उपयोगकर्ताओं के लिए निष्पक्षता और पारदर्शिता को बढ़ावा देना और उन्हें भ्रामक या भ्रामक प्रथाओं से बचाना।

III. सी व्यवसाय के संचालन पर नजर रखना - प्रभावी अभिशासन

बिगटेक में अभिशासन संरचना जटिल है। अक्सर, वे विभिन्न सेवाओं के लिए विभिन्न लाइसेंसों के तहत काम करने वाली अपनी सहायक कंपनियों के माध्यम से वित्तीय सेवाएं प्रदान करते हैं, जैसे कि भुगतान, उपभोक्ता ऋण, धन प्रबंधन और बीमा। उनके पास शीर्ष पर एक होल्डिंग कंपनी या मूल कंपनी (समूह) के साथ एक एकीकृत व्यवसाय मॉडल है और अन्य सहायक कंपनियाँ सेवाओं की एक विस्तृत शृंखला प्रदान करते हैं। इसके अलावा, ये बिगटेक व्यापार समझौतों / मेजबान देश के नियमों के आधार पर कई बार अधिकार क्षेत्रों में सेवाएं प्रदान करते हैं। मूल या होल्डिंग कंपनी, विनियामकीय / पर्यवेक्षी परिधि से बाहर हो सकती है और सहायक कंपनियों की वित्तीय-सेवा गतिविधियों से दूर हो सकती है। यह जटिल अभिशासन संरचना छाया बैंकिंग गतिविधियों के विस्तार की संभावना पैदा करती है, और इस प्रकार, व्यापक वित्तीय स्थिरता को कम करती है। एक बिगटेक फर्म की एक उदाहरणात्मक अभिशासन संरचना नीचे दिखाई गई है (चित्र 2)।

विभिन्न प्राधिकार क्षेत्रों में, बड़ी तकनीक सहायक कंपनियों के माध्यम से या स्वामित्व नियंत्रण की अलग-अलग सीमा के साथ संयुक्त उद्यमों के माध्यम से भुगतान, क्रेडिट और बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए लाइसेंस ले रही हैं। हालांकि, विनियामकीय प्रतिक्रिया इस प्रकार के दिशानिर्देश बनाने के लिए रही है, जो सामान्य हैं तथा जिनकी व्यापक प्रयोज्यता है। उदाहरण के लिए, यूरोपीय संघ के मामले में, भुगतान के प्राधिकरण और ई-मनी संस्थान के लिए दिशानिर्देश, “भुगतान सेवाएं (पीएसडी -2) - निर्देश” पर आधारित हैं।¹¹ इसके अलावा, ये दिशानिर्देश आवेदकों द्वारा सूचना प्राप्त करने और अनुपालन निर्दिष्ट करने में की गई गतिविधि के आधार पर आनुपातिक दृष्टिकोण अपनाते हैं। यूके के मामले में, वित्तीय आचरण प्राधिकरण (एफसीए) ने भुगतान संस्थानों और ई-मनी संस्थानों को प्राधिकार प्रदान करने के लिए दिशानिर्देशों को निर्दिष्ट करते हुए अपना दृष्टिकोण निर्धारित किया है।¹² एफसीए का दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से कंपनी पर निर्बाध पर्यवेक्षी पहुँच (लाइसेंस / प्राधिकरण की मांग) की आवश्यकता और मूल और सहायक कंपनी (यदि कंपनी समूह / होल्डिंग संरचना का हिस्सा है) के कॉरपोरेट ढांचे पर स्पष्ट विवरण की आवश्यकता को निर्दिष्ट करता है। संक्षेप में, लाइसेंसिंग / प्राधिकरण दृष्टिकोण को पेशकश की गई सेवाओं की जटिलता के आधार पर 'आनुपातिकता' और 'लचीलेपन' द्वारा निर्देशित किया जा रहा है।

चित्र 2: बिगटेक कंपनी की होल्डिंग संरचना को दर्शाने वाला योजनाबद्ध आरेख



स्रोत: मोएनजाक और संतिप्रभोब (2021), “डिजिटल युग में बिगटेक और गैर-बैंक वित्तीय सेवाओं को विनियमित करना”, अप्रैल, सेंट्रल बैंकिंग

¹¹ <https://www.eba.europa.eu/regulation-and-policy/payment-services-and-electronic-money/guidelines-on-authorisation-and-registration-under-psd2>

¹² <https://www.fca.org.uk/publication/finalised-guidance/fca-approach-payment-services-electronic-money-2017.pdf>

बिगटेक को उनके मुख्य व्यावसायिक क्षेत्रों में उनके प्रतिबंधात्मक व्यावसायिक प्रथाओं के लिए वैश्विक स्तर पर नियामकों द्वारा बारीकी से देखा जा रहा है। उपभोक्ता कल्याण की रक्षा के लिए बिगटेक के विरुद्ध अविश्वास नियमों का उपयोग करने पर विचार किया जा रहा है। यूरोपीय संसद द्वारा अधिनियमित डिजिटल बाजार अधिनियम (डीएमए) और डिजिटल सेवाएं अधिनियम (डीएसए) जैसे कानूनों में पूरे डिजिटल परिदृश्य को बदलने की क्षमता है। डीएमए स्पष्ट नियमों को निर्धारित करके बाजार द्वारपालों की गतिविधियों को विनियमित करेगा - "क्या करें" और "क्या न करें" की एक सूची - जिसका उद्देश्य उन्हें व्यवसायों और उपभोक्ताओं पर अनुचित शर्तें लगाने से रोकना है। दूसरी ओर, डीएसए ऑनलाइन उपयोगकर्ताओं के मौलिक अधिकारों की रक्षा करेगा और डिजिटल जगत को सुरक्षित बनाएगा।¹³

इसके अलावा, सिंगापुर, नीदरलैंड और हांगकांग जैसी अर्थव्यवस्थाओं ने नैतिक व्यावसायिक आचरण सुनिश्चित करने के लिए बोर्ड/प्रबंधन द्वारा अधिक निरीक्षण के साथ कृत्रिम बुद्धि मॉडल के उपयोग के लिए अभिशासन, उत्तरदायित्व, उपभोक्ता संरक्षण आदि पर केंद्रित सिद्धांतों को निर्दिष्ट किया है।¹⁴

III. डी परिचालन सुदृढ़ता की निगरानी - व्यापार निरंतरता सुनिश्चित करना

बिगटेक और वित्तीय संस्थानों के बीच अति महत्वाकांक्षी सहयोग वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में नए लिंकेज और निर्भरता का निर्माण कर रहा है। बिगटेक अपनी वित्तीय और गैर-वित्तपोषण सेवाओं दोनों के माध्यम से वित्तीय प्रणाली को नई परिचालन जोखिम चुनौतियों में धकेल सकते हैं।

- वित्तीय सेवा प्रदाताओं के रूप में: बिगटेक फर्म अपने ग्राहकों को भुगतान सेवाएं प्रदान करती हैं और किसी भी सेवा रुकावट के परिणामस्वरूप वित्तपोषण गतिविधि में व्यवधान उत्पन्न हो सकता है।
- गैर-वित्तीय सेवा प्रदाताओं के रूप में: बिगटेक फर्म अपनी गैर-वित्तपोषण सेवाओं से उत्पन्न परिचालन जोखिम के कारण वित्तीय स्थिरता के लिए अधिक

खतरा पैदा करती हैं। केवल कुछ बड़ी तकनीक फर्में वैश्विक वित्तीय प्रणाली को प्रौद्योगिकी सेवाएं और बुनियादी ढांचा (जैसे, क्लाउड कंप्यूटिंग और डेटा एनालिटिक्स) प्रदान करती हैं।¹⁵ इन फर्मों में से एक की विफलता, या किसी भी बड़ी तकनीक फर्म द्वारा दी जाने वाली सेवा की विफलता वित्तीय सेवाओं में एक महत्वपूर्ण घटना पैदा कर सकती है, जिसमें बाजारों, उपभोक्ताओं और वित्तीय स्थिरता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

इन सेवाओं की महत्वपूर्णता से तात्पर्य यह है कि बिगटेक पहले से ही 'इतने - महत्वपूर्ण-हैं -कि विफल नहीं' हो सकते हैं। इसके अलावा, केंद्रीय बैंक और सभी क्षेत्राधिकारों में नियामक एजेंसियां बिगटेक फर्मों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं से उत्पन्न परिचालन जोखिमों और चुनौतियों को दूर करने के लिए नियमों पर चर्चा कर रही हैं। इनमें से कुछ का विवरण इस प्रकार है:

- **यूरोपीय संघ (ईयू)**: यूरोपीय संघ द्वारा प्रस्तावित डिजिटल परिचालन सुदृढ़ता अधिनियम (डीओआरए), वित्तीय क्षेत्र में डिजिटल परिचालन सुदृढ़ता पर एक व्यापक ढांचा है। अनुपालन की जाने वाली सुरक्षा आवश्यकताओं को निर्दिष्ट करके, डीओआरए क्लाउड सेवा प्रदाताओं (सीएसपी) सहित 'महत्वपूर्ण आईसीटी तृतीय पक्षकार प्रदाताओं' (सीटीपीपी) को विनियामकीय परिधि के भीतर लाता है। बिगटेक के लिए, डीओआरए दो तरीकों से प्रासंगिक है। सबसे पहले, अपने वित्तीय सेवाओं के संचालन में तीसरे पक्ष की सेवाओं के उपयोगकर्ताओं के रूप में बिगटेक को तीसरे पक्ष के जोखिमों के मूल्यांकन और निगरानी पर तकनीकी मानकों का पालन करना होगा, जिसमें किसी तृतीय-पक्ष प्रदाता द्वारा जोखिम उत्पन्न किए जाने की स्थिति में न्यूनतम विघटनकारी निकास रणनीतियों का विकास भी शामिल है। दूसरा, तीसरे पक्ष की सेवाओं के प्रदाताओं के रूप में बिगटेक जिन्हें "महत्वपूर्ण" माना जाता है (जैसे, क्लाउड कंप्यूटिंग), अतिरिक्त अपेक्षाओं और प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण के अधीन हो जाएंगे।

¹³ <https://www.europarl.europa.eu/news/en/headlines/society/20211209STO19124/eu-digital-markets-act-and-digital-services-act-explained>

¹⁴ फिनटेक के लिए नीतिगत कार्रवाइयां: अंतर-देशीय अवलोकन (इनसाइट्स नंबर 23 - जनवरी 2020), वित्तीय स्थिरता संस्थान, बैंक ऑफ इंटरनेशनल सेटलमेंट्स

¹⁵ बैंक ऑफ इंग्लैंड ने 2020 के एक सर्वेक्षण में अनुमान लगाया कि 70 प्रतिशत से अधिक बैंक और 80 प्रतिशत बीमाकर्ता आईएसएस (एक सेवा के रूप में बुनियादी ढांचा) के लिए सिर्फ दो क्लाउड प्रदाताओं पर भरोसा करते हैं।

- **चीन:** चीन में, वित्तीय होल्डिंग कंपनियों (एफएचसी) ढांचा सभी एफएचसी को गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों तरीकों के आधार पर एक व्यापक जोखिम प्रबंधन प्रणाली स्थापित करने की आवश्यकता के द्वारा परिचालन सुदृढ़ता को मजबूत करता है जो परिचालन और आईटी जोखिमों सहित विभिन्न जोखिमों की निगरानी करेगा।
- **संयुक्त राज्य अमेरिका:** संयुक्त राज्य अमेरिका में, संघीय बैंकिंग एजेंसियों के पास बैंकों के लिए महत्वपूर्ण तृतीय-पक्ष सेवा प्रदाताओं के रूप में बिगटेक की निगरानी करने के लिए निरीक्षण शक्तियां हैं। बैंक सेवा कंपनी अधिनियम के तहत स्थापित महत्वपूर्ण सेवा प्रदाता कार्यक्रम, बैंकों को सेवा प्रदाताओं के रूप में बड़ी तकनीक कंपनियों के परिचालन सुदृढ़ता की देखरेख करता है। इसके अलावा, तीसरे पक्ष के संबंधों से जुड़े जोखिमों के प्रबंधन पर फेडरल रिजर्व बोर्डों का अंतर-एजेंसी मार्गदर्शन तीसरे पक्ष के संबंधों के जीवन चक्र में विभिन्न चरणों के लिए जोखिम प्रबंधन सिद्धांतों को रेखांकित करता है और इन संबंधों से उत्पन्न होने वाले जोखिमों के प्रबंधन से संबंधित उपायों को निर्धारित करता है।
- **यूनाइटेड किंगडम:** बैंक ऑफ इंग्लैंड ने अपनी वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (जुलाई 2021) में क्लाउड सेवा प्रदाताओं (सीएसपी) और अन्य महत्वपूर्ण तीसरे पक्षों की एक छोटी संख्या पर वित्तीय संस्थानों की बढ़ती निर्भरता से उत्पन्न जोखिमों से निपटने के लिए अतिरिक्त नियामकीय उपायों का आह्वान किया है।

हालांकि महत्वपूर्ण सेवाओं के प्रदाताओं के रूप में बिगटेक के उद्देश्य से विशिष्ट नियम हैं, सामान्य दृष्टिकोण आउटसोर्सिंग गतिविधियों (आईटी / क्लाउड-आधारित सेवाओं) पर नियमों को मजबूत करना रहा है। वित्तीय संस्थान की जोखिम क्षमता के अनुरूप प्रमुख मार्गदर्शक सिद्धांत में अभिशासन, जोखिम मूल्यांकन और समुचित सावधानी, व्यापार निरंतरता, डेटा गोपनीयता और डेटा स्थानीयकरण, विशेषज्ञता के प्रबंधन आदि पर केंद्रित एक अच्छी तरह से परिभाषित आउटसोर्सिंग नीति ढांचे को सुनिश्चित करना है।

इसके अलावा सेवाओं की आउटसोर्सिंग पर एक प्रमुख विनियामकीय शर्त यह है कि संस्थाओं को आउटसोर्स की गई सेवाओं से निर्बाध 'पर्यवेक्षी/ लेखा परीक्षा / डेटा' पहुंच सुनिश्चित करनी चाहिए। विनियमों में संस्थाओं को मेजबान देश के विनियमों का पालन करने की आवश्यकता होती है ताकि विदेशी क्षेत्राधिकारों में आउटसोर्सिंग व्यवस्था/सेवा प्रदाताओं के मामले में निर्बाध पर्यवेक्षी पहुंच सुनिश्चित की जा सके।

III.ई वित्तीय स्थिरता को मजबूत करना – संभाव्य प्रणालीगत प्रभाव को सीमित करना

बिगटेक कंपनियों अपने निपटान में धन के जोखिम परिवर्तन, वित्तीय प्रणाली के साथ अपने मुद्रा बाजार निधि (एमएमएफ) व्यवसाय के लिंकेज और अन्य छाया बैंकिंग गतिविधियों के माध्यम से वित्तीय स्थिरता के लिए एक प्रणालीगत जोखिम पैदा कर सकती हैं। उदाहरण के लिए, चीन में, एक बिगटेक समूह की वित्तीय सहायक कंपनियों में जोखिम परिवर्तन दो तरीकों से हुआ।

- सबसे पहले, बिगटेक समूह की एक ई-वॉलेट प्रदाता सहायक कंपनी ने अपने ग्राहकों को अपने ई-वॉलेट में 'बचे हुए जमाशेष' को स्वचालित रूप से एमएमएफ में अंतरित करने की अनुमति दी, जिसे बिगटेक की एक अन्य धन प्रबंधन सहायक कंपनी द्वारा प्रबंधित किया गया था। इन एमएमएफ ने बदले में अंतर बैंक सीडी, वाणिज्यिक पत्र, पुनर्खरीद समझौतों आदि में निवेश किया और इसलिए, वित्तीय प्रणाली के साथ संबंध स्थापित किए। ई-वॉलेट ग्राहकों की अपने ई-वॉलेट खातों में पैसा मुद्रा बाजार निधि में निवेश करने की क्षमता, और अपने ई-वॉलेट ऐप के माध्यम से मुद्रा बाजार निधि से पैसे को निर्बाध रूप से भुनाने की क्षमता ने वित्तीय स्थिरता को खतरे में डालने की क्षमता के साथ धन के जोखिम परिवर्तन का निर्माण किया।
- बिगटेक फर्मों की वित्तीय-सेवा सहायक कंपनियों द्वारा जोखिम परिवर्तन के दूसरे मामले में चीनी बिगटेक प्लेटफॉर्मों से जुड़े उधारदाताओं द्वारा सूक्ष्म-ऋणों का प्रतिभूतिकरण और बिक्री शामिल थी। उन्नत विश्लेषण का उपयोग करके, इन बिगटेक प्लेटफॉर्मों की सहायक कंपनियों ने व्यक्तिगत ग्राहक जोखिम प्रोफाइल के लिए अनुकूलित सूक्ष्म-ऋण प्रदान किया और बाद में इन

ऋणों को प्रतिभूतित किया और पैकेज किया तथा उन्हें पारंपरिक बैंकों सहित निवेशकों को बेच दिया। बैंकों को सूक्ष्म-ऋण की उत्पत्ति, पैकेजिंग और बिक्री के माध्यम से, चीनी बिगटेक प्लेटफॉर्म, निधियों के जोखिम परिवर्तन में लिप्त थे, क्योंकि बैंकों ने बिगटेक फर्मों से पैकेज किए गए ऋण खरीदने के लिए जमाकर्ताओं के पैसे का इस्तेमाल किया था।

बिगटेक द्वारा अभिनव वित्तीय उत्पाद, बैंकिंग प्रणाली में जोखिमों के संचरण के लिए नए चैनलों के माध्यम से संकट के दौरान आघात प्रसारित करने और सुभेद्यता बढ़ाने की संभावना के साथ, उनके अंतर्संबंधों को बढ़ा सकते हैं। इसे स्वीकार करते हुए, केंद्रीय बैंक और सभी क्षेत्राधिकारों के नीति निर्माता बिगटेक वित्तीय गतिविधियों के संभावित प्रणालीगत प्रभावों पर चर्चा कर रहे हैं और वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के लिए नियम प्रस्तुत कर रहे हैं। बिगटेक कंपनियों से वित्तीय स्थिरता जोखिमों का हल करने के लिए दो प्रमुख नियामक उपाय सामने आए हैं।

- पहला विकल्प किसी बड़ी तकनीक फर्म को डिजिटल-बैंकिंग लाइसेंस जारी करना है, जहां बिगटेक की होल्डिंग कंपनी वित्तीय नियामक के दायरे से बाहर है। यह विभिन्न वित्तीय सेवाएं प्रदान करने वाली बिगटेक की विधिक रूप से अलग सहायक कंपनियों को समेकित करेगा। डिजिटल बैंकिंग लाइसेंस का डिजाइन काफी हद तक विनियामक के लाइसेंसिंग उद्देश्यों पर निर्भर करता है। यह बैंकिंग उद्योग में प्रतिस्पर्धा और दक्षता बढ़ाने (जैसे, आस्ट्रेलिया, चीन और यूके), फिनटेक और नवाचार को बढ़ावा देने और ग्राहक बैंकिंग अनुभव को बढ़ाने (जैसे, हांगकांग, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर और यूके) के उद्देश्यों से लेकर छोटे और मध्यम आकार के व्यवसायों को पूंजी और वित्तीय सेवाओं (जैसे, चीन) तक पहुंच प्रदान करने तक हो सकता है।¹⁶

- दूसरा विकल्प बिगटेक की वित्तीय-सेवा सहायक कंपनियों पर एक होल्डिंग कंपनी संरचना लागू करना है और उस होल्डिंग कंपनी को वित्तीय विनियमन के अधीन करना है। सहायक कंपनियों को होल्डिंग कंपनी संरचना में संरचित करके, अभिशासन संरचना को सरल बनाया जा सकता है, और इससे वित्तीय विनियामक, जोखिम का आकलन कर सकते हैं तथा विभिन्न समस्याओं को समग्र रूप से दूर कर सकते हैं। वर्तमान में चीन को ऐसी सहायक कंपनियों के लिए वित्तीय होल्डिंग कंपनी ढांचा तैयार करने के लिए गैर-वित्तीय समूहों / बिगटेक की आवश्यकता है, जिनके पास वित्तीय डोमेन में दो या दो से अधिक सहायक कंपनियां हैं।

IV. निष्कर्ष

बिगटेक वित्तीय क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं और अपने साथ अधिक वित्तीय समावेशन, कुशल संचालन और कम लेनदेन लागत का लाभ ला रहे हैं। हालांकि, वे प्रतिस्पर्धा, परिचालन सुदृढ़ता संबंधी विषयों और वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम भी पैदा करते हैं।

विशेष रूप से प्रतिस्पर्धा, डेटा संरक्षण, व्यापार के संचालन, परिचालन सुदृढ़ता और वित्तीय स्थिरता के क्षेत्रों में बिगटेक द्वारा प्रस्तुत नई चुनौतियों का समाधान करने के लिए चीन, यूरोपीय संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका में हाल ही में कई विनियामकीय पहल की गई हैं। भारत में, महत्वपूर्ण भुगतान मध्यस्थों को औपचारिक विनियमित / पर्यवेक्षित ढांचे में लाने की दिशा में प्रयास शुरू किए गए हैं। भुगतान संग्राहक / भुगतान गेटवे के लिए जारी किए गए निर्देश और भुगतान प्रणाली संचालकों द्वारा भुगतान और निपटान से संबंधित गतिविधियों की आउटसोर्सिंग के लिए फ्रेमवर्क इसी दिशा में एक कदम है। भारत में भुगतान स्वीकृति के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए भी पहल की जा रही है। भारत ने भुगतान डेटा के स्थानीय भंडारण को भी अनिवार्य कर दिया है और अपने स्वयं के डेटा संरक्षण विधि को कानून बनाने की प्रक्रिया में भी है।

¹⁶ विस्तृत चर्चा के लिए कृपया डिजिटल बैंकिंग (नीति आयोग) पर चर्चा पत्र देखें।

वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में बिगटेक और फिनटेक की बढ़ती प्रमुख भूमिका को देखते हुए, भारतीय रिज़र्व बैंक ने विनियमित संस्थाओं द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाओं (आईटीईएस) की आउटसोर्सिंग पर मसौदा दिशानिर्देश जारी किए हैं, ताकि आईटी गतिविधियों जैसे आईटी बुनियादी ढांचे, नेटवर्क सुरक्षा, क्लाउड कंप्यूटिंग, एप्लिकेशन सेवा प्रदाता, आदि¹⁷ की आउटसोर्सिंग में संबंधित जोखिमों का प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके। विभिन्न देशों में हाल में किए गए पहल बिगटेक द्वारा उत्पन्न प्रासंगिक जोखिमों का निपटान करने में महत्वपूर्ण कदमों का प्रतिनिधित्व करती है।

मुख्य रूप से, नियामक इस बात की सराहना करते हैं कि बिगटेक गतिविधियों से उत्पन्न जोखिमों को अकेले इकाई-विशिष्ट या गतिविधि-विशिष्ट नियमों के माध्यम से पर्याप्त रूप से आँका / प्रबंधित नहीं किया जा सकता है। विनियमों/विनियामकीय ढांचे में उन जोखिमों की भी गणना की जानी चाहिए जो बिगटेक समूहों के भीतर ठोस अंतर्संबंधों और वित्तीय संस्थानों के लिए महत्वपूर्ण सेवा प्रदाताओं के रूप में उनकी भूमिका के कारण उत्पन्न होते हैं। बिगटेक से जोखिमों से निपटने की दिशा में नियामकीय दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण आदर्श बदलाव, इकाई और गतिविधि-आधारित नियमों के मिश्रण के साथ नियामकीय ढांचे को अंशांकित करने में निहित है। वित्तीय गतिविधियों में शामिल होल्डिंग कंपनियों को बनाने की आवश्यकताएं, गतिविधि-विशिष्ट लाइसेंस, डेटा संरक्षण की आवश्यकताएं, सुरक्षा, तीसरे पक्ष के अनुप्रयोगों के साथ समान व्यवहार, डेटा पोर्टेबिलिटी आदि बिगटेक द्वारा उत्पन्न जोखिमों को सीमित करने के लिए अच्छी तरह से संकेत देते हैं। इसके अलावा, जैसे-जैसे वित्तीय क्षेत्र के साथ बिगटेक की अंतर-संबंध विकसित होती है, प्रतिस्पर्धा की रक्षा और वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए नियमों को डिजाइन / अद्यतन करने हेतु प्रतिस्पर्धा (एकाधिकारी व्यापार विरोधी), डेटा, अभिशासन और वित्तीय अधिकारियों के बीच घनिष्ठ सहयोग की अपेक्षा होती है।

इसके अलावा, चूंकि बिगटेक विभिन्न प्राधिकार क्षेत्रों में काम करते हैं, इसलिए नीतिगत विकास की अंतरराष्ट्रीय स्थिरता की तलाश करने के लिए पहले से ही एक सम्मोहक स्थिति है। उक्त के आलोक में, अंतरराष्ट्रीय मानक-निर्धारण निकायों द्वारा यह सुनिश्चित करने के प्रयास भी किए गए हैं कि मौजूदा वित्तीय विनियमन (विशेष रूप से भुगतान में) नए गैर-बैंक भागीदारों की गतिविधि को ठीक से शामिल करते हैं। हालांकि, इकाई और गतिविधि-आधारित दृष्टिकोण दोनों पर सटीक अंशांकन करने और देश-विशिष्ट स्थितियों के अनुरूप बनाने की आवश्यकता होगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि विनियामकों की चिंताओं को वित्तीय नवाचारों को दबाए बिना दूर किया जा सके।

उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं (ईएमडीई) की अब तक विनियामकीय प्रतिक्रियाएं भुगतान हेतु बुनियादी ढांचे और डिजिटल पहचान डेटा को विकसित करके सक्षम वातावरण बनाने के लिए रही हैं। ईएमडीई वित्तीय प्राधिकारियों ने नवाचार का समर्थन करने के लिए नीति निर्धारण हेतु समर्पित इकाइयों (जैसे, नवाचार हब, सैंडबॉक्स आदि) को विकसित किया है। इसके साथ ही, ईएमडीई में नियमों को मौजूदा वित्तीय संस्थानों के साथ बिगटेक द्वारा बनाए जा सकने वाले नए अंतर-संबंधों के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है।

References

- Bank for International Settlements (2019), "Bigtech in Finance: Opportunities and Risks", *Annual Economic Report*, Chapter III, June. <https://www.bis.org/publ/arpdf/ar2019e3.htm>
- Bank for International Settlements (2021), "Regulating Bigtechs in Finance", August, *BIS bulletin* No. 45. <https://www.bis.org/publ/bisbull45.pdf>
- Carstens, A. (2018): "Bigtech in Finance and New Challenges for Public Policy", Keynote address at the FT Banking Summit, December. <https://www.bis.org/speeches/sp181205.htm>
- Croxson, K., J. Frost, L. Gambacorta and T. Valletti (2021), "Platform-based Business Models and Financial

¹⁷ भारतीय रिज़र्व बैंक: आईटी सेवाओं की आउटसोर्सिंग पर मास्टर निदेश का मसौदा, दिनांक 23 जून, 2022 (https://www.rbi.org.in/scripts/bs_viewcontent.aspx?id=4156)

Inclusion". https://www.dcfintechweek.org/wp-content/uploads/2021/10/Jon-Frost-Karen_Croxson-et-al-Platform-based-business-models-and-financial-inclusion-Oct-2021.pdf

Financial Stability Board (2019), "Bigtech in Finance: Market Developments and Potential Financial Stability Implications", December. <https://www.fsb.org/2019/12/bigtech-in-finance-market-developments-and-potential-financial-stability-implications/>

Financial Stability Board (2020), "Bigtech Firms in Finance in Emerging Market and Developing Economies - Market Developments and Potential Financial Stability Implications", October. <https://www.fsb.org/wp-content/uploads/P121020-1.pdf>

Financial Stability Report (2021), Bank of England, July. <https://www.bankofengland.co.uk/financial-stability-report/2021/july-2021>

FSI (2020), "Policy Responses to Fintech: A Cross-Country Overview", January, *FSI Insights on policy implementation* no. 23. <https://www.bis.org/fsi/publ/insights23.pdf>

FSI (2021a), "Bigtech Regulation: What Is Going On?", September 2021, *FSI Insights on policy implementation* no. 36. <https://www.bis.org/fsi/publ/insights36.htm>

FSI (2021b), "Bigtechs in Finance: Regulatory Approaches and Policy Options", March, *FSI Briefs* No. 12. <https://www.bis.org/fsi/fsibriefs12.htm>

Moenjak and Santiprabhob (2021), "Regulating Bigtech And Non-Bank Financial Services in the Digital Era", 12th April, *Central Banking*. <https://www.centralbanking.com/central-banks/financial-stability/7820121/regulating-big-tech-and-non-bank-financial-services-in-the-digital-era>

NITI Aayog (2021), "Digital Bank: A Proposal for Licensing and Regulatory Regime for India", November. https://www.niti.gov.in/sites/default/files/2021-11/Digital-Bank-A-Proposal-for-Licensing-and-Regulatory-Regime-for-India.24.11_0.pdf

Reserve Bank of India (2017), "Report of the Working Group on Fintech and Digital Banking". <https://rbidocs.rbi.org.in/rdocs/PublicationReport/Pdfs/WGFR68AA1890D7334D8F8F72CC2399A27F4A.PDF>